भारत में शिक्षा—स्थिति, समस्याएँ एवं मुद्दे

(EDUCATION IN INDIA— STATUS, PROBLEMS AND ISSUES)

(रा. अ. शि. प. के नवीनतम पाठ्यक्रम संरचना, 2014 के अनुसार)

(ACCORDING TO LATEST NCTE CURRICULUM FRAME WORK, 2014)

e-adhyapak.com
॥ विद्या धनं सर्व धनं प्रधानम् ॥

डॉ. राजीव खरे
डॉ. इम्तियाज मंसूरी

© Rakhi Prakashan Pvt. Ltd., Agra

भारत में शिक्षा—स्थिति, समस्याएँ एवं मुद्दे

(EDUCATION IN INDIA— STATUS, PROBLEMS AND ISSUES)

(रा. अ. शि. प. के नवीनतम पाठ्यक्रम संरचना, 2014 के अनुसार)

(ACCORDING TO LATEST NCTE CURRICULUM FRAME WORK, 2014)

डॉ. राजीव खरे

एम. एस-सी. (गणित); एम. ए. (शिक्षाशास्त्र)
एम. फिल.; पी-एच. डी.
प्राचार्य/निदेशक
लालबहादुर शास्त्री व्यावसायिक अध्ययन महाविद्यालय
हरदा (मध्य प्रदेश)

एवं

डॉ. इम्तियाज मंसूरी

एम. ए., एम. कॉम., एम. फिल., एम. एड., पी-एच. डी.
प्राचार्य
देवी रुक्मणी शिक्षा महाविद्यालय
खरगौन (मध्य प्रदेश)

राखी प्रकाशन प्रा. लि.

12ए, चतुर्थ तल, रमन टॉवर, संजय प्लेस,
आगरा-282 002

© Rakhi Prakashan Pvt. Ltd., Agra

COPYRIGHT INFORMATION

e-adhyapak.com respects the intellectual property of others. When a book's copyright owner submits their work to e-adhyapak.com, they are ranting us permission to distribute such material. Unless otherwise stated in this book, this permission is not passed onto other. As such, redistributing this book without the copyright owner's permission can constitute copyright infringement.

This Website and its contents are subject to copyright protection under the Indian Copyright laws. No part of the contents or materials available on this Website may be reproduced, licensed, sold, published, transmitted, modified, adapted, publicly displaced, broadcast (including storage in any medium by electronic means whether or not transiently for any purpose save as permitted here in) without the prior written permission of e-adhyapak.com. The visitor may view this website and its contents using Web browser or print out a copy, of parts of this Website solely for visitor's own information, research or study, provided the visitor (s) do not modify the copy from how it appears in the Website.

e-adhyapak.com logo/name should never be removed from pages on which they originally appear. The webpages should always appear exactly as posted without variation unless the prior written approval of the Organization is obtained.

ISBN 978-93-85195-18-1

© *Rakhi Prakashan Pvt. Ltd.*, Agra

आमुख

किसी भी राष्ट्र के निर्माण के लिए गुणवत्ता परक शिक्षा सर्वोत्तम साधन है। इस दृष्टि से शिक्षक को शिक्षा के विभिन्न सिद्धान्तों, इतिहास एवं नवीनतम नीतियों का ज्ञान अत्यन्त आवश्यक है, वर्ष 2015 से अध्यापक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में आमूल-चूल परिवर्तन हुए हैं, बी.एड. एवं एम.एड. जैसे रोजगारपरक पाठ्यक्रम द्विवर्षीय हो चुके हैं। प्रस्तुत पुस्तक 'भारत में शिक्षा-स्थिति, समस्याएँ एवं मुद्दे'' रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर द्वारा विकसित एवं सम्पूर्ण मध्य प्रदेश में लागू यूनिफाइड पाठ्यक्रम के प्रथम सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्न-पत्र पर आधारित है। पुस्तक लेखन में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का बिन्दुवार विवरण प्रस्तुत किया गया है।

पुस्तक का प्रथम संस्करण 4 इकाइयों एवं 12 अध्यायों में विभक्त है जो कि शिक्षा की अवधारणा, प्राचीन भारतीय शिक्षा की विशेषताओं, माध्यमिक शिक्षा एवं अध्यापक शिक्षा के उद्देश्यों, स्थिति एवं समस्याओं पर प्रकाश केन्द्रित करता है।

पुस्तक में जानकारी एकत्र करने के लिए हमें अनेक पुस्तकों, सन्दर्भ ग्रन्थों आदि से जो सूचना मिली उसके लिए हम उन ग्रन्थों के प्रकाशक एवं लेखकों के आभारी हैं।

प्रस्तुत पुस्तक के लेखन में प्रेरणा प्रदान करने वाले डॉ. महेश भार्गव पूर्व अध्यक्ष, मानव-शास्त्र तथा व्यावहारपरक विज्ञान, भारतीय विज्ञान, कांग्रेस परिषद्, कोलकाता एवं डॉ. विवेक भार्गव सचिव हर प्रसाद व्यवहार अध्ययन संस्थान के भी हृदय से आभारी हैं।

पुस्तक के लेखन में डॉ. (श्रीमती) क्षमा खरे, विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग, लाल बहादुर शास्त्री व्यावसायिक अध्ययन महाविद्यालय, हरदा, बरकत उल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल के डॉ. कालिका यादव, डॉ. नीरजा शर्मा, डॉ. हेमन्त खण्डाई, तक्षशिला महाविद्यालय, भोपाल के डॉ. अवनीन्द्र उपाध्याय,

© Rakhi Prakashan Pvt. Ltd., Agra

डॉ. के. के. तिवारी, स्वामी विवेकानन्द विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक कुलपति डॉ. अनिल तिवारी, कोपल कॉलेज, भोपाल के श्री मनीष मिश्रा, श्री कन्हैयालाल अमरनानी का भी विशेष सहयोग प्राप्त हुआ जिसके लिए लेखकद्वय अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।

अन्त में इतने कम समय में पुस्तक के प्रकाशन के लिए श्री अजय कान्त शर्मा एवं राखी प्रकाशन प्रा. लि. के प्रबन्ध निदेशक श्री पीयूष भार्गव का भी विशेष आभार व्यक्त करते हैं।

आशा है कि प्रस्तुत पुस्तक छात्र-अध्यापकों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी एवं सुधी पाठकों की आवश्यकता एवं आकांक्षाओं की पूर्ति करेगी।

5 सितम्बर, 2015
शिक्षक दिवस

डॉ. राजीव खरे
डॉ. इम्तियाज मसूरी

e-adhyapak.com
॥ विद्या धनं सर्व धनं प्रधानम् ॥

© Rakhi Prakashan Pvt. Ltd., Agra

विषय-सूची

UNIT–1
शिक्षा की अवधारणा
(CONCEPT OF EDUCATION)

1. **शिक्षा का अर्थ, प्रकृति एवं उद्देश्य** 1—52
(Meaning, Nature and Aims of Education)

शिक्षा का संकुचित अर्थ–4; शिक्षा का व्यापक अर्थ–4; शिक्षा की परिभाषाएँ–5; शिक्षा की प्रकृति–6; शिक्षा की प्रक्रिया–7; शिक्षा का महत्व–9; शैक्षिक उद्देश्यों की आवश्यकता–10; शिक्षा के उद्देश्य–11; विभिन्न आयोगों के अनुसार शिक्षा के उद्देश्य–23; भारतीय एवं पाश्चात्य दर्शन के अनुसार शिक्षा के उद्देश्य–23; शिक्षा के उद्देश्य–25; योग दर्शन के अनुसार शिक्षा के उद्देश्य–26; न्याय दर्शन के अनुसार शिक्षा के उद्देश्य–27; चार्वाक दर्शन के अनुसार शिक्षा के उद्देश्य–28; गीता दर्शन के अनुसार शिक्षा के उद्देश्य–29; बौद्ध दर्शन में शिक्षा के लक्ष्य और उद्देश्य–30; जैन दर्शन के अनुसार शिक्षा के उद्देश्य–33; इस्लाम दर्शन में शिक्षा के उद्देश्य–35; पाश्चात्य शैक्षिक दर्शन के अनुसार शिक्षा के उद्देश्य–36; मार्क्सवाद के अनुसार शिक्षा के उद्देश्य–40; मानवतावादी के अनुसार शिक्षा का उद्देश्य–41; शिक्षा के कार्य–43; अभ्यासार्थ प्रश्न–51।

2. **सामाजिक नियन्त्रण और सामाजिक परिवर्तन के साधन के रुप में शिक्षा** 53—73
(Education as an Instrument of Social Control and Social Change)

सामाजिक नियन्त्रण का अर्थ एवं परिभाषाएँ–53; सामाजिक नियन्त्रण की विशेषताएँ–54; सामाजिक नियन्त्रण के प्रकार–56; सामाजिक नियन्त्रण के उद्देश्य, आवश्यकता एवं महत्व–57; सामाजिक परिवर्तन का अर्थ एवं परिभाषाएँ–59; सामाजिक परिवर्तन की संकल्पना–59; सामाजिक परिवर्तन की विशेषताएँ–61; सामाजिक परिवर्तनों की प्रक्रिया–63; सामाजिक परिवर्तनों के मुख्य कारक–64; सामाजिक परिवर्तन के

© Rakhi Prakashan Pvt. Ltd., Agra

सिद्धान्त–66; सामाजिक परिवर्तन की समस्याएँ या परिणाम–66; शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन–67; सामाजिक परिवर्तन में शिक्षा की आवश्यकता–68; सामाजिक परिवर्तन के लिए शिक्षा के कार्य–69; सामाजिक परिवर्तन में अध्यापक की भूमिका–70; अभ्यासार्थ प्रश्न–71।

3. **सांस्कृतिक विरासत एवं मूल्यों का संरक्षण** 74—91
(Preservation of Cultural Heritage and Values)

सांस्कृतिक विरासत–74; संस्कृति का अर्थ–74; संस्कृति का महत्त्व–76; मूल्यों का संरक्षण–77; भारतीय जीवन मूल्यों के विकास में घर, विद्यालय व समाज की भूमिका–87; अभ्यासार्थ प्रश्न–89।

4. **विद्यालय तथा समाज** 92—102
(School and Society)

वर्तमान भारतीय सामाजिक व्यवस्था में विद्यालय का स्थान–92; विद्यालयों के प्रकार तथा उनके समाज से सम्बन्ध के प्रतिमान एवं समस्याएँ–95; अभ्यासार्थ प्रश्न–101।

5. **संस्कृति और शिक्षा** 103—118
(Education and Culture)

संस्कृति की अवधारणा एवं परिभाषा–103; संस्कृति की अवधारणा–104; संस्कृति की विशेषताएँ–106; संस्कृति की इकाइयाँ–110; संस्कृति के सिद्धान्त–111; शिक्षा एवं संस्कृति का सम्बन्ध–113; अभ्यासार्थ प्रश्न–117।

6. **शिक्षा के अभिकरण** 119—159
(Agencies of Education)

अभिकरण की संकल्पना–119; शिक्षा के अभिकरण व शिक्षा के साधन में अन्तर–120; औपचारिक और अनौपचारिक अभिकरण–120; निरौपचारिक अभिकरण–121; सक्रिय व निष्क्रिय अभिकरण–123; औपचारिक अभिकरण : विद्यालय–124; विद्यालय की अवधारणा–125; वर्तमान काल में विद्यालय की आवश्यकता एवं महत्व–127; विद्यालय के कार्य–128; शिक्षा का अनौपचारिक अभिकरण : परिवार–129; परिवार की संकल्पना व परिभाषा–129; परिवार के प्रकार–130; बालक की शिक्षा में परिवार या गृह का महत्व–131; परिवार के शिक्षा सम्बन्धी कार्य–134; परिवार को शिक्षा का प्रभावशाली अभिकरण बनाने के उपाय–136; शिक्षा का अनौपचारिक अभिकरण : समुदाय और शिक्षा–138; समुदाय की संकल्पना एवं परिभाषा–138; समुदाय और शिक्षा–139;

© Rakhi Prakashan Pvt. Ltd., Agra

बालक पर समुदाय के शैक्षिक प्रभाव–139; बालक की शिक्षा में समुदाय का महत्व–141; विद्यालय तथा समुदाय के बीच सम्बन्ध–142; समुदाय को शिक्षा का प्रभावशाली साधन बनाने के उपाय–143; शिक्षा का अनौपचारिक अभिकरण : राज्य–144; राज्य की संकल्पना और स्वरूप–144; राज्य (सरकार) के प्रकार–146; राज्य और शिक्षा का सम्बन्ध–147; राज्य के शिक्षा सम्बन्धी कार्य–147; शिक्षा का अनौपचारिक अभिकरण : धर्म–150; धर्म की संकल्पना–151; अभ्यासार्थ प्रश्न–154।

UNIT–2
प्राचीन भारतीय शिक्षा की प्रमुख विशेषताएँ
(FEATURES OF ANCIENT INDIAN EDUCATION)

7. **वैदिक, बौद्ध एवं इस्लामिक युग में शिक्षा** 160—214

(Education in Vedic, Buddhist and Islamic Period)

वैदिककालीन शिक्षा का पाठ्यक्रम–161; वैदिककालीन शिक्षण विधियाँ–162; गुरुकुल शिक्षा प्रणाली–163; वैदिककालीन शिक्षा के उद्देश्य–167; वैदिककालीन शिक्षा की विशेषताएँ–169; वैदिक शिक्षा प्रणाली के गुण–175; वैदिक शिक्षा प्रणाली के दोष–178; बौद्ध युग में शिक्षा–180; बौद्धिक शिक्षा के स्तर–181; बौद्धिक शिक्षा का स्वरूप–182; बौद्धिक शिक्षा के उद्देश्य–183; बौद्धकालीन शिक्षा की विशेषताएँ–185; पाठ्यक्रम–187; शिक्षण विधियाँ–188; बौद्ध शिक्षा के प्रमुख केन्द्र–190; बौद्ध शिक्षा प्रणाली का मूल्यांकन–192; वैदिक तथा बौद्धकालीन शिक्षा में अन्तर–197; बौद्धिक शिक्षा का योगदान–198; इस्लामिक शिक्षा–199; शिक्षा की व्यवस्था–201; मुस्लिमकालीन शिक्षा के उद्देश्य–204; इस्लामिक शिक्षा की विशेषताएँ–205; इस्लामिक शिक्षा के मुख्य केन्द्र–206; इस्लामिक शिक्षा के गुण–208; इस्लामिक शिक्षा के दोष–209; इस्लामिक शिक्षा का समालोचनात्मक मूल्यांकन–211; अभ्यासार्थ प्रश्न–212।

8. **अंग्रेजी शासनकाल में शिक्षा के प्रमुख बिन्दु—उद्देश्य, संरचना, पाठ्यक्रम व शिक्षण विधियों के दृष्टिकोण से** 215—239

(Major Landmarks of British System of Education in Colonial India Particularly from the viewpoint of Aims, Structure, Curriculum and Methods of Education)

ईस्ट इण्डिया कम्पनी के प्रयास–216; अनिश्चितता का युग (1813-33)–219; प्राच्य-पाश्चात्य युग (1833-1853)–219; अधोगामी निस्यन्दन

© Rakhi Prakashan Pvt. Ltd., Agra

सिद्धान्त–220; लार्ड मैकाले का विवरण पत्र, (1835)–221; मैकाले की देन–222; वुड का घोषणा-पत्र, (1854)–223; घोषणा-पत्र की सिफारिशें–220; घोषणा-पत्र का मूल्यांकन–226; ब्रिटिशकालीन शिक्षा–230; भारतीय विश्वविद्यालय आयोग, 1902–233; कलकत्ता विश्वविद्यालय आयोग–234; सार्जेंट योजना (सन् 1944)–236; अभ्यासार्थ प्रश्न–238।

9. **राष्ट्रीय शिक्षा व्यवस्था की प्रगति के लिए प्रयास** 240—249
(Efforts Towards Enduring Nation System of Education)

राष्ट्रीय आन्दोलन–243; राष्ट्रीय शिक्षा आन्दोलन–244; राष्ट्रीय शिक्षा के सिद्धान्त–246; राष्ट्रीय शिक्षा संस्थाओं की स्थापना–247; राष्ट्रीय आन्दोलन का मूल्यांकन–248; अभ्यासार्थ प्रश्न–248।

UNIT–3

माध्यमिक शिक्षा

(SECONDARY EDUCATION)

10. **स्वतन्त्र भारत में शिक्षा एवं संविधान में शिक्षा के प्रबन्ध** 250—344
(Education During Post Independance Period and Provisions for Education in Constitution)

माध्यमिक शिक्षा का भारत में विकास–251; स्वतन्त्रता के पूर्व माध्यमिक शिक्षा का विकास–251; स्वतन्त्रता के पश्चात् माध्यमिक शिक्षा का विकास–253; माध्यमिक शिक्षा के उद्देश्य–258; माध्यमिक शिक्षा आयोग के अनुसार शिक्षा के उद्देश्य–258; कोठारी आयोग (1964-66) के अनुसार शिक्षा के उद्देश्य–261; माध्यमिक शिक्षा का पाठ्यक्रम–261; माध्यमिक शिक्षा आयोग तथा कोठारी आयोग के पाठ्यक्रम के क्षेत्र में सुझाव–263; माध्यमिक शिक्षा की पाठ्य पुस्तकें–265; कोठारी आयोग के पाठ्य-पुस्तकों के सम्बन्ध में सुझाव–265; माध्यमिक शिक्षा का विस्तार–266; माध्यमिक शिक्षा की समस्या का समाधान–267; माध्यमिक शिक्षा का व्यावसायीकरण–268; माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायीकरण की आवश्यकता–270; व्यावसायीकरण की धीमी गति के कारण–270; व्यावसायिक शिक्षा के विकास के उपाय–270; माध्यमिक शिक्षा की अन्य समस्याएँ एवं समाधान–271; माध्यमिक शिक्षा विकास के विभिन्न कार्यक्रम–274; मुदालियर आयोग या माध्यमिक शिक्षा आयोग–274; माध्यमिक शिक्षा आयोग का गठन–275; कार्यक्षेत्र–275; आयोग के सुझाव–276; माध्यमिक शिक्षा आयोग का मूल्यांकन–279; कोठारी शिक्षा

© Rakhi Prakashan Pvt. Ltd., Agra

आयोग (1964-66)–280; आयोग के अनुसार शिक्षा के उद्देश्य–282; शिक्षा आयोग का प्रतिवेदन–286; समीक्षा–290; नई शिक्षा नीति, 1986–290; नई शिक्षा-नीति की प्रमुख विशेषताएँ–295; नई शिक्षा-नीति के कुछ नये आयाम–300; नई शिक्षा-नीति की कुछ विशेषताएँ एवं नवीनताएँ–302; नई शिक्षा-नीति का मूल्यांकन–306; राममूर्ति समिति की रिपोर्ट–307; पुनर्संशोधित राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1992–311; जनार्दन रेड्डी समिति, 1992–311; शिक्षा की संशोधित राष्ट्रीय नीति, 1992–315; संशोधित राष्ट्रीय शिक्षा नीति के दस्तावेज–316; संशोधित राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1992 सम्बन्धी कार्य योजना–317; सर्व शिक्षा अभियान–319; विभिन्न प्रकार के माध्यमिक शिक्षा बोर्ड–320; माध्यमिक शिक्षक की योग्यता एवं नियुक्ति–322; परीक्षा प्रणाली–322; परीक्षा-प्रणाली की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि–323; प्रचलित परीक्षा प्रणाली के गुण-दोष–325; परीक्षा प्रणाली में सुधारात्मक प्रयत्न–328; परीक्षा में पद्धति चिन्तन के आठ स्तर–337; प्रचलित परीक्षा प्रणाली में सुधार–339; अभ्यासार्थ प्रश्न–341।

11. माध्यमिक विद्यालय शिक्षक-योग्यता, दक्षता, व्यावसायिक आचार संहिता 345—376

(Secondary School Teacher—Qualification, Competences & Professional Code of Conduct)

वृत्ति तथा वृत्तिक का अर्थ–345; वृत्तिक नैतिकता–345; नैतिकता के आयाम–346; अध्यापक के लिए व्यावसायिक नीतियाँ–347; मध्य प्रदेश शिक्षा संहिता का ज्ञान–348; कार्य नैतिकता–349; माध्यमिक स्कूल अध्यापक–349; अध्यापकों की आचार-संहिता–350; अध्यापकों का उत्तरदायित्व–353; अध्यापक के कर्तव्य–354; उदयोन्मुख भारतीय समाज में अध्यापक की बदलती हुई भूमिका–356; अभ्यासार्थ प्रश्न–375।

UNIT–4

अध्यापक शिक्षा एवं माध्यमिक विद्यालय पाठ्यक्रम

(TEACHER EDUCATION AND SECONDARY SCHOOL CURRICULUM)

12. भारत में अध्यापक शिक्षा की स्थिति, उद्देश्य तथा प्रयोजन 377—431

(Status, Aims and Objectives of Teacher Education in India)

शिक्षक शिक्षा का अर्थ–378; शिक्षकों के वेतनमान–379; अध्यापक शिक्षा के उद्देश्य–379; राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद् की भूमिका एवं

© Rakhi Prakashan Pvt. Ltd., Agra

उत्तरदायित्व–383; राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद् का गठन–384; राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद् के कार्य–385; राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद् की अन्य योजनाएँ–386; राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद् द्वारा कृत कार्यों का परिणाम–387; राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् की भूमिका एवं उत्तरदायित्व–390; परिषद् का संगठन–390; अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय–394; अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय के उद्देश्य–395; अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय के सुझाव–395; उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान–396; उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान के प्रमुख उद्देश्य–396; अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र में व्यावसायिक संस्थान–397; राष्ट्रीय शैक्षिक आयोजना और प्रशासन संस्थान (नीपा)–397; इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय–401; राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय–402; केन्द्रीय शैक्षिक तकनीकी संस्थान–402; विश्वविद्यालय अनुदान आयोग–404; वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद्–408; राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान–413; राष्ट्रीय महाविद्यालय शिक्षा अभियान के उद्देश्य–414; राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान की योजनाएँ–414; राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के कार्य–415; राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान की उपलब्धियाँ–416; राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा : 2000 एवं 2005–417; सेवाकालीन अध्यापक शिक्षा के क्रिया-कलाप–419; व्यावसायिक विषयों पर निबन्ध–420; विद्यालय शिक्षक की दक्षता एवं उत्पादकता को बढ़ाने के लिए कार्यक्रम–421; वाद-विवाद–425; वाद-विवाद की प्रक्रिया–425; कार्यशाला–427; सिम्पोजियम–428; अभ्यासार्थ प्रश्न–430।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची 432

© Rakhi Prakashan Pvt. Ltd., Agra